वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 242 | मंगलवार 27 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

स्काउट एवं गाइड जम्बूरी आयोजन कार्यों की समीक्षा

ऐतिहासिक होगा जम्बूरी का आयोजन: मुख्यमंत्री

4 जनवरी से शुरू होगी स्काउट एवं गाइड जम्बूरी
जम्बूरी में हिस्सा लेंगे 35 हजार स्काउट एवं गाइड

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पाली के रोहट में 4 से 10 जनवरी, 2023 तक आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की व्यापक तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की यह जम्बूरी प्रदेश में स्काउट एवं गाइड का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि 67 साल बाद राजस्थान में इस जम्बूरी का आयोजन हो रहा है और राज्य सरकार इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए किसी प्रकार की कमी नहीं रखेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारे और सहयोग का संदेश जाता है। गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा आयोजित होने वाली 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की तैयारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि जम्बूरी में ऐरिना, सड़कें, शामियाना, मंच एवं हैलीपेड की पुख्ता व्यवस्था के साथ-साथ पेयजल, शौचालय एवं स्नानघरों, बिजली, आवास, राशन की पर्याप्त व्यवस्था और राज्यों के दलों के लिए आवागमन की व्यवस्था के व्यापक प्रबंधन किए गए हैं।

कार्यों की गुणवत्ता की हो रही लगातार मॉनिटरिंग

बैठक में बताया गया कि रीको, सार्वजनिक निर्माण एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों द्वारा जम्बूरी स्थल पर चल रहे कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया गया है। जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं बिजली विभाग द्वारा जम्बूरी के समय विद्युत की अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24 घण्टे आपातकालीन चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। जम्बूरी से पूर्व एवं जम्बूरी के दौरान विभिन्न माध्यमों द्वारा नियमित रूप से व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जम्बूरी स्थल पर प्रदर्शनियां भी आयोजित होंगी। साथ ही, जम्बूरी स्थल पर प्रतिदिन राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन भी होंगे। साथ ही, जम्बूरी स्थल पर अस्थाई पुलिस चौकी, यातायात व्यवस्था, नियमित पेट्रोलिंग एवं सीसीटीवी मॉनिटरिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

जयपुर में बेरोजगार अभ्यार्थियों ने किया मुर्गा बनकर प्रदर्शन

स्वास्थ्य भवन का किया घेराव, मांग- लैब असिस्टेंट भर्ती की दूसरी सूची करें जारी

जयपुर. कासं। लैब असिस्टेंट (प्रयोगशाला सहायक) भर्ती-2018 की दूसरी सूची भी लम्बे समय से जारी नहीं हुई है। दूसरी सूची जारी करवाने की मांग को लेकर सोमवार को बेरोजगार अभ्यार्थियों ने अनोखा प्रदर्शन किया। स्वास्थ्य भवन के सामने युवा बेरोजगार अभ्यर्थियों ने मुर्गा बनकर प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन बेरोजगार अभ्यर्थियों ने राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले किया। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि 5 दिसम्बर को सचिवालय में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग हुई थी। चिकित्सा विभाग शासन सचिव ने मीटिंग में 15 दिसम्बर तक प्रयोगशाला सहायक भर्ती-2018 की दूसरी सूची जारी करने का वादा किया था। उसके बावजूद भी निश्चित समय के बाद भी आज तक सूची जारी नहीं की। जिसके चलते युवा बेरोजगार अभ्यार्थियों ने पहले चिकित्सा मंत्री के आवास का घेराव किया। जिसके बाद सोमवार दोपहर स्वास्थ्य भवन का घेराव किया। दूसरी सूची जारी करवाने की मांग को लेकर युवा बेरोजगार अभ्यार्थियों ने स्वास्थ्य भवन में मुर्गा बनकर प्रदर्शन किया।

राजस्थान में "एमएसएमई-प्रेरणा" का शुभारंभ एमएसएमई सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार: मुख्य सचिव

जयपुर. कासं

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार है एवं राज्य सरकार एमएसएमई सेक्टर के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्य सचिव सोमवार को सचिवालय में इंडियन बैंक द्वारा एमएसएमई क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए उद्यमियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु "**एमएसएमई प्रेरणा**" के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थी। मुख्य सचिव ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है तथा भारतीय निर्यात में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रदान करने के साथ-साथ जीडीपी में भी में महत्वपूर्ण योगदान निभाते है। राज्य सरकार अपनी विभिन्न फ्लैगशिप योजना के माध्यम से निरंतर एमएसएमई सेक्टर के विकास के लिए कार्य कर रही है। शर्मा ने कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े 400 से अधिक लोगों को राजस्थान इन्वेस्टमेंट स्कीम, मुख्यमंत्री लघु उधोग प्रोत्साहन योजना, भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र में दी जा रही रियायतों की जानकारी दी और स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रदेश में एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कोविड की वैश्विक महामारी के दौरान एमएसएमई क्षेत्र को हुए भारी नुकसान से उबारने के उद्देश्य से शुरू की गई फ्लैगशिप योजनाओं से बड़ी संख्या में एमएसएमई इकाइयां लाभान्वित हुई है। कार्यक्रम में आयुक्त उद्योग एवं एमएसएमई, महेंद्र कुमार पारख ने बैंको से आशा व्यक्त कर कहा कि उन्हें एमएसएमई क्षेत्र में क्लेम सेटलमेंट, क्रेडिट सपोर्ट से जुड़े मामलो में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे आने की जरूरत है।

सर्वोच्च जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी के संरक्षण और पवित्रता के लिए आमरण अनशन शुरू

विश्व जैन संगठन ने यमुना पार, दिल्ली के ऋषभ विहार जैन मंदिर जी के बाहर शुरू किया आमरण अनशन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। जैन धर्म के सबसे बड़े तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी को बचाने के लिए विश्व जैन संगठन के आह्वान पर चल रहे देशव्यापी आंदोलन के अतर्गत आज जैन तीर्थरक्षकों ने जैन मंदिर जी, ऋषभ विहार, दिल्ली में आमरण अनशन शुरू कर दिया। आमरण अनशन पर संगठन के अध्यक्ष संजय जैन बैठ गए हैं। उनका समर्थन देने के लिए जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में आमरण अनशन में शामिल हो रहे है। अनशन पर बैठे लोग नारा लगा रहे थे कि 'चाहे जान चली जाय पर श्री सम्मेद शिखर जी को पर्यटन स्थल नही बनने देंगे।' आमरण अनशन पर बैठे संजय जैन ने बताया कि हम लोग यहां पर आमरण अनशन पर झारखंड स्थित श्री सम्मेद शिखर जी की स्वतंत्र पहचान, पवित्रता और संरक्षण को बनाये रखने के लिए बैठे हैं। उन्होंने कहा कि आमरण अनशन पर संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका रुचि जैन और अनेको जैन समाज के लोग क्रमिक अनशन बैठे है और अनेको जैन संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्तिथ है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार श्री सम्मेद शिखर जी की पहचान और पवित्रता समाप्त करना चाहती है और वह इसे पर्यटक स्थल बनाने पर तुली हुई है, जो जैन समाज के साथ क्रूर मजाक है। यह स्थल विश्व भर के जैन समाज के लोगों का पावन तीर्थ स्थल है। यह हमारी आत्मा हैं और अपनी आत्मा की पवित्रता हम जीते जी किसी भी कीमत पर कम नहीं होने देंगे। उन्होंने बताया कि देश मे अनेको शहरों सहित बांसवाड़ा के 61 गांव ने अपना समर्थन देते हुए एक-एक दिन अनशन / आंदोलन करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार से अनेको नेताओं ने हमारी मांगों को सही मानते हुए हमारे साथ है और राज्य सभा व लोक सभा मे अनेको सांसदों ने मांग की है, फिर भी झारखंड सरकार और केन्द्र सरकार हमारी मांगों पर गौर नहीं कर रही है। ऐसे में हमारे सामने आमरण अनशन के सिवाए और कोई विकल्प मौजूद नहीं है। इस मौके पर संगठन के संरक्षक राजेश जैन, उपाध्यक्ष यश जैन, कैशियर अरविंद जैन, मनीष जैन, राजीव जैन और ऋषभ विहार मंदिर के पदाधिकारी सुनील जैन, विजय जैन, विपुल जैन, विश्वास नगर से महेश जैन, अरविन्द जैन और महिला प्रकोष्ठ की महिलाओं समेत बड़ी संख्या में जैन समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए।

काठमांडू नेपाल में विश्व णमोकार दिवस पर भव्य आयोजन

जैन भवन काठमांडू में बड़े ही हर्षो-उल्लास के साथ मनाया विश्व णमोकार दिवस

काठमांडू. शाबाश इंडिया। जैन धर्म और जैन समाज की प्रभावना के लिए कटिबद्ध संस्था सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था नेपाल शाखा द्वारा श्री भगवान महावीर जैन निकेतन, जैन भवन काठमाण्डू में विश्व णमोकार दिवस पर सामूहिक णमोकार पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन आ आचार्य श्री महाश्रमण जी की परम विदुषी शिष्या समणी निर्देशिका विपुल प्रज्ञा जी एवं समणी श्री आदर्श प्रज्ञा जी के पावन सानिध्य में मनाया गया। नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष-अनिता जैन सेठी और महामंत्री राम-डोली रामपुरिया के अनुसार इस अवसर पर मंदिर को रोशनी से जगमग किया गया। कार्यक्रम के प्रारभ में मंगलाचरण दीप प्रज्जवलन, स्वागत सत्कार, किया गया। भक्तिमय यह आयोजन शुभकामना संदेश वाचन व सामूहिक णमोकार पाठ भजन और समणी निर्देशिका विपुल प्रज्ञा जी के द्वारा नमोकार पर मंगल आशीर्वाद वचनों से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम का संचालन उत्साह के साथ राकेश बाफना ने किया। दीप प्रज्जवलन महावीर प्रसाद शांति देवी जैन काला परिवार, निवासी रांची द्वारा किया। आयोजन के इस क्रम में आचार्य श्री सिद्धांत सागर महाराज,श्रुत सवेंगी श्रमण आदित्य सागर महाराज ,नेपाल केशरी डॉ. मणिभद्र मुनि श्री के संदेश का वाचन किया गया। **यह रहे मोजूद:** इस अवसर पर मुख्य समन्वयक अशोक-मंजू बोथरा, नवरंग -सुमन नाहटा, पवन - सुमन सेठिया व संयोजक प्रसन्न - सुनीता वेद, आशीत - सुजाता मेहता, सुमित- कविता जैन विनोद- बिना चोरडिया ने मौजूद रहकर उल्लेखनीय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में जैन महिला मंडल की कनक भंसाली, सुमन कोठारी, राज लक्ष्मी छाजेड, कविता जैन, रंजना भंसाली, तेरापंथ युवक परिषद के कैलाश नौलखा, राकेश बाफना, बजरंग पुगलिया, हेमन्त नौलखा व वर्षा बेगवानी, जिनिशा जैन द्वारा भजनों की प्रस्तुति उल्लेखनीय रही। **सुमेरमल नाहटा को श्रद्धानिष्ट नेपाल जैन रत्न की उपाधि से नवाजा गया:** आयोजन के सयोजक प्रसन्न सुनिता बैद ने बताया की श्रद्धानिष्ठ श्रावक सुमेरमल नाहटा को माल्यार्पण व दुपट्टा पहनाकर, नेपाल जैन रत्न की उपाधि से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। वही इस अवसर पर गिरीश चंद्र लाल, बसंत कुमार राई व महावीर प्रसाद शांति देवी काला का माल्यार्पण व दुपट्टा लगाकर सम्मान किया गया।

श्रीराम आशापूरन चैरिटेबल ट्रस्ट के नवीन भंडारी सम्मानित हुए

जयपुर. शाबाश इंडिया। कोरोना महामारी के समय जयपुर नगर निगम ग्रेटर के उपमहापौर पुनीत कर्णावट की प्रेरणा से श्रीराम आशापूरन चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी नवीन भंडारी ने देशहित और समाज हित में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए लगभग 250 वैक्सिंग कैम्प सामाजिक एवं गैर सामाजिक संस्थाओं और पार्षदों के द्वारा विभिन्न स्थानों पर पूरे जयपुर में लगावाये । इनमें लगभग 75000 लोगों को वैक्सीन लगवाने का अवसर प्राप्त हुआ। इस कार्य को सफल बनाने में आर सी एच ओ जयपुर 1 और जयपुर 2 की संपूर्ण टीम का भरपूर योगदान रहा ।इसी प्रकार कोरोना महामारी के समय भोजन, चप्पल और राशन वितरण तथा आवश्यकता अनुसार लोगों को सहयोग किया। श्रीराम आशापूरन चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा गौमाता के ऊपर लंपी जैसी बीमारी का कहर आया था उस समय गौ माता की रक्षा हेतु आयुर्वेदिक और एलोपैथिक दवाइयो को ट्रस्ट के द्वारा निशुल्क उपलब्ध करवाकर गौ माता की रक्षा करने का प्रयास किया। मेडिकल के क्षेत्र में कार्य करते हुए कई स्थानों पर ब्लड कैंप, निशुल्क जांच शिविर आयोजित किये ।गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से गोबर से लकड़ी बनाकर और उसकी उपयोगिता को आम जनता तक जनजागृति करने में अहम भूमिका निभाई।

डायमंड ग्रुप ने अपने सदस्यों को राजमन्दिर में मूवी दिखाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमंड ने वर्ष के अन्त में प्रोग्राम करके वर्ष 2022 की विदाई की ओर अग्रसर होने व नव वर्ष के आगमन के स्वागत के लिए कार्यक्रम आयोजित किया। ग्रुप अध्यक्ष प्रमोद -सोनल जैन व सचिव रमेश- संजना छाबड़ा ने बताया कि दिनांक 25 दिसम्बर रविवार को राज मन्दिर में मूवी 'सर्कस' दम्पति सदस्यों को दिखाई। कॉमेडी से भरपुर मूवी को देखकर सभी बच्चों व सदस्यों ने एंजॉय किया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष यशकमल संगीता अजमेरा भी उपस्थित थे। उसके बाद सभी ने सुस्वादु भोजन लिया। अंत में कोषाध्यक्ष एस के गंगवाल - आभा गंगवाल ने आए हुए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया । साथ ही उपस्थित सभी सदस्यों ने विदेश टूर व एक धार्मिक बड़ी यात्रा करवाने के लिये कहा जिसको सहर्ष ही स्वीकार कर अगले नववर्ष में प्रोग्राम करने की सहमति प्रदान की गई।

नववर्ष के आगमन पर होगी 1008 दीपों से महाआरती

देशभर के भक्तों की अगवानी के लिए दर्शनोदय थूवोनजी तैयार

एक जनवरी को होगा महामस्तिकाभिषेक

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

अंचल के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज की प्रेरणा से नव वर्ष की पूर्व वेला में संगीत मय श्री भक्तामर पाठ व मध्य रात्रि में नव वर्ष के आगमन पर दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी की एक हजार आठ दीपों से महा आरती श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग के संयोजन में की जायेगी । दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आव्हान पर दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी नये वर्ष एक जनवरी को भगवान का एक हजार आठ कलशों से महा मस्तिकाभिषेक एवं श्री भक्तामर महा मंडल विधान का भव्य आयोजन किया जा रहा है । कार्यक्रम को अंतिम रूप देने इस कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू की अध्यक्षता में एक वैठक की गई । जिसमें उपाध्यक्ष राकेश अमरोद, धर्मेन्द्र रोकड़िया, महामंत्री विपिन सिंघई, मंत्री विनोद मोदी, राजेन्द्र हलवाई, कोषाध्यक्ष सौरव वाझल, आडीटर राजीव चन्देरी, शैलेन्द्र श्रागर, शैलेन्द्र दददा, नितिन बज, राकेश लालाजी सहित अन्य जन सम्मलित हुए।

नव वर्ष को हम अपनी संस्कृति के अनुसार मनातेः सुधासागरजी महाराज

इस हेतु जिज्ञासा समाधान में मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अंग्रेजी नव वर्ष का कोई स्थान नहीं है लेकिन आज के इस दौर में आप लोग जब नये साल को मनाई रहें हैं तो नववर्ष पर अपनी मां के हाथ की रोटी खाना। नये वर्ष को किसी तीर्थ स्थल या घर में परिवार के साथ में ही मनाना। यदि आप को सगुन करना है तो नये वर्ष को होटल में मत मनाना ।भले दो दिन बाद कहीं भी जाये । सगुन मान रहे हैं तो सगुन करना फिर आप इसके परिणाम देखना । हमारे जो अच्छे दिन होते हैं उन्हें हम गन्दे स्थानों पर जाकर अपने पुण्य को नष्ट करतें हैं। सुख के दिनों को यदि हम प्रभु चरणों में व्यतीत करेंगे तो सुख में वृद्धि होगी। यदि अच्छे दिन को यहां वहां निकल दिया तो कुछ भी हाथ लगने वाला नहीं है।

आने वाले तीर्थयात्री के लिए है दर्शनोदय तैयार

दर्शनोदय थूवोनजी कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघाई ने बताया कि नव वर्ष पर देशभर से मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के दर्शनो को आने वाले भक्तों की व्यवस्थाएं दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में की जा रही है यहां से देवगढ़ की दुरी 46किमी मात्र चालीस मिनट की दूरी पर स्थित है इस स्थिति को समझ कर आने वाले सभी भक्तों से आव्हान किया गया है कि वे थूवोनजी में रात्रि विश्राम कर नये वर्ष गुरु दर्शन का लाभ लें।

राजस्थान प्रदेश वैश्य महासभा के तत्वावधान सेमिनार का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान प्रदेश वैश्य महासभा के तत्वावधान में वैश्य एकता आज की आवश्यकता पर वैश्य समाज के बंधुओं ने गोकुल गांव हरमाड़ा सीकर रोड पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें वैश्य एकता आज की आवश्यकता पर चिंतन और मंथन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल गुप्ता अनुकंपा ग्रुप प्रदेश महामंत्री इंटरनेशनल वैश्य महा संगठन विशिष्ट अतिथि अरुण अग्रवाल, महामंत्री चेंबर ऑफ कॉमर्स कमल माहेश्वरी, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के महामंत्री व्यापार संगठन फेडरेशन ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से प्रभात गुप्ता, संस्था के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश गुप्ता, महामंत्री भवानी माहेश्वरी, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी रमेश गोयल,

उपाध्यक्ष उमेश अरनौली, प्रदेश महिला अध्यक्ष प्रतिभा नारनौल, वार्ड नंबर 21 पार्षद प्रियंका अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी दिनेश अग्रवाल, प्रदेश चेयरमैन विनोद गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष नथमल बंसल, फाउंड्री ओनर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष गोपाल गुप्ता एवं काफी संख्या में विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य जिला अध्यक्ष रमेश साहू ,महामंत्री चंद्रशेखर अग्रवाल इत्यादि गणमान्य लोगों ने भाग लेते हुए वैश्य एकता आज की आवश्यकता पर बल दिया एवं वैश्य समाज के लिए काम करने हेतु संकल्प लिया कार्यक्रम के पश्चात सभी ने सहयोग का आनंद लिया कार्यक्रम समाप्त के बाद सभी ने सह भोज का आनंद लेते हुए 2022 को विदाई दी एवं आने वाले वर्ष 2023 की सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की ।

सूरज मैदान पर भव्य भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का समापन

भागवत श्रवण से मिलती है परम शांतिः जया किशोरी

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने सोमवार को नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के बैनर तले आदर्श नगर के सूरज मैदान पर चल रही भव्य श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में अंतिम दिन सोमवार को फूलो की होली खेली गई। इस मौके पर आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कुछ ऐसा हो जाए...काली कमली वाले मेरा यार रे...दीवानी मैं श्याम की ....आज बिरज में होली रे रसिया...होलिया में उड़ रे गुलाल जैसे भाव गीतों पर फूलों की होली भी खेली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने इन फाग रचनाओं पर भाव विभोर होकर नाचकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कहा कि व्यक्ति का जीवन संसार की भागदौड़ में फंसकर अशांत हो जाता है। उस समय अपनी समस्याओं का समाधान के निदान प्राप्त करने के लिए जगह-जगह दौड़ती है,परंतु शांति की प्राप्ति नहीं हो पाती है। व्यक्ति के जीवन में यदि शांति प्राप्ति कहीं प्राप्त होती है तो वह भागवत कथा,जिसे श्रवण करने मात्र से ही व्यक्ति का जीवन सुखमय व भक्तिमय हो जाता है। आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कहा कि राजा परीक्षित के जीवन में ऐसी अशांति आई थी कि उसके निदान का मार्ग कहीं मिलना मुश्किल था। अंततः श्रीशुकदेव भगवान का सानिध्य राजा परीक्षित को मिला और गंगा के तट पर राजा परीक्षित ने 7 दिनों तक कथा का श्रवण किया,जिसे सुनकर राजा परीक्षित की समस्याओं का निदान हो गया।

कैट ने राष्ट्रीय ट्रेड पालिसी लाने की डीपीआईआईटी की पहल का स्वागत किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। कैट ने कहा ई-कॉमर्स को रिटेल व्यापार के केवल 20 % हिस्से का व्यापार की अनुमति दी जाए । डीपीआईआईटी द्वारा नेशनल ट्रेड पालिसी के ड्राफ्ट को विभिन्न मंत्रालयों को भेजे जाने के कदम का कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने स्वागत किया है और कहा है की इससे निश्चित रूप से भारत के खुदरा व्यापार में काफी बढ़ोतरी होगी !कैट एक लंबे समय से इस मांग को जोरदार तरीके से हर फोरम पर उठाता रहा है ! कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने आज एक संयुक्त बयान में कहा की इस पॉलिसी में एक विशिष्ट प्रावधान होना चाहिए जिसके अंतर्गत केवल रिटेल व्यापार के केवल 20% तक के हिस्से को ही ऑनलाइन द्वारा बेचे जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा की इस पॉलिसी को लागू करने से पहले व्यापारियों को विश्वास में लिया जाना बेहद जरूरी है।

वेद ज्ञान

अंतिम सत्य

कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में युद्धारंभ के पूर्व जब भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्म, उपासना और ज्ञान का उपदेश दिया था तब अंत में अर्जुन ने पूछा था, प्रभु! इस संसार में सत्य क्या है? इसके उत्तर में श्रीकृष्ण ने कहा था, मित्र! इस संसार में एक ही तथ्य सत्य है और वह है इस धरती पर जन्म लेने वाले की अनिवार्यतः मृत्यु होना। यानी जो जन्मा है, वह मरेगा अवश्य। इसमें पशु, पक्षी कीट, पतंग, अनुरक्त और विरक्त का किसी प्रकार का कोई भेद नहीं है। प्राणी की मृत्यु पर किसी एक विचारक ने मृत्यु की अनिवार्यतः के संबंध में यह भी कहा है कि मृत्यु के लिए तीन स्थितियां ऐसी होती हैं जो किसी की भी मृत्यु के पूर्व विद्यमान रहती हैं। उन स्थितियों में से एक है प्रत्येक प्राणी की मृत्यु के स्थान का पूर्ण निश्चित होना। दूसरी स्थिति है प्रत्येक मरणशील प्राणी की मृत्यु का पूर्व से ही समय निश्चित होना और तीसरी स्थिति है मरणधर्मा जीव की मृत्यु का कोई न कोई कारण होना। किसी भी प्राणी की मृत्यु के पूर्व इन तीनों स्थितियों का होना जहां अपरिहार्य है, वहीं इन तीनों स्थितियों पर मरने वाले जीव का कोई वश नहीं है। प्रायः कभी-कभी हम यह देखते हैं कि कोई जीव अपने मरण स्थान से बहुत दूर होता है, किंतु किसी न किसी कारण से वह अचानक ही वहां पहुंच जाता है जहां उसका मरण निश्चित होता। इस स्थिति को न तो मृत्यु प्राप्त होने वाला जीव जानता है और न उसके सगे-संबंधी ही जान पाते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्रत्येक प्राणी के मरण का स्थान निश्चित होता है। यही स्थिति समय और मरण के कारण की भी होती है इसीलिए यह कहा जाता है कि विद्या, कर्म, धन, आयु और निधन का स्वरूप जीव की मां के गर्भ में आते ही निश्चित हो जाता है जिसमें परिवर्तन कर पाना किसी के वश में नहीं होता है। इसलिए यही सिद्धांत है कि मनुष्य को अपना कर्म करते हुए निश्चिंत मन से जीवन जीना चाहिए। जो तथ्य अनिवार्य है, उससे डरना कैसा? आन, बान और शान से जीवन जिएं। स्वयं को असुरक्षित महसूस न करें। ईश्वर पर विश्वास रखने से व्यक्ति का असुरक्षा बोध खत्म हो जाता है। इस मंत्र को यदि आत्मसात कर लिया जाए तो जीवन के तमाम ऊहापोह दूर हो जाएंगे और व्यक्ति जीवन का पूरी तरह आनंद ले सकेगा।

संपादकीय

चैनलों में सिर्फ गलीछाप गालियां नहीं पढ़ी जातीं...

एक 'पिटाई' वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दिखती रही, तो दूसरी 'पिटाई' संसद से लेकर चैनलों तक में दिखती रही। यों 'पिटाई' का वीडियो 'अपुष्ट' ही रहा, फिर भी सब 'अपुष्ट' पर ही एक-दूसरे की पिटाई करते रहे। 'चीनी सेना हमारे सैनिकों को पीट रही है' जैसे राहुल उवाच के आते ही भाजपा ने आरोप लगाया कि ऐसा कह कर राहुल सेना का मनोबल गिरा रहे हैं...विपक्ष का आग्रह रहा कि सरकार सीधे संसद में बताए कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर क्या स्थिति है, तो सत्ता पक्ष का कहना रहा कि क्या सीमा की स्थितियों पर इस तरह से विचार किया जाता है? हमारी ऐसी बहसें देख चीन अवश्य खुश हुआ होगा। फिर एक शाम कोलकाता फिल्म फेस्टिवल में अमिताभ बच्चन ने देश में नागरिक आजादी को लेकर अपनी चिंता क्या प्रकट की कि विवादग्रस्त होते-होते बचे। भक्त अचरज में थे कि टायलेट अभियान के अंबेसडर और सदी के महानायक के सुर अचानक कैसे बदल गए? चैनलों में सिर्फ गलीछाप

गालियां नहीं पढ़ी जातीं, बदलते सुरों को भी पढ़ा जाता और मुद्रा की भाषा भी पढ़ी जाती है, जैसे कि जब एक भारत जोड़ो यात्री के पैर में पट्टी नजर आई, तो हम भी सोचने लगे कि भैये ये पट्टी यात्रा के बीच में क्यों बंधी यानी कि इस पट्टी की राजनीति क्या है बंधु? फिल्म पठान आफत में ही रही। पहले हिंदुओं ने भगवा बिकिनी पर ऐतराज जताया, तो अब एक चैनल पर एक मौलवी भी बोलते दिखे कि फिल्म पठान में मुसलमानों का मजाक उड़ाया गया है...पठान ऐसे नंगा नाच नहीं करते...फिल्म को प्रतिबंधित किया जाय...लेकिन अपने राहुल भैया की बौद्धिकता का भी जवाब नहीं। इधर भारत जोड़ो यात्रा हिंदीभाषी राज्य राजस्थान से गुजर रही थी, उधर राहुल भैया हिंदी को हीन बताते हुए कह रहे थे कि अमेरिका, इंग्लैंड के लोगों से बात करते समय हिंदी काम नहीं आएगी...हिंदी नहीं, अंग्रेजी सीखने की जरूरत...अफसोस कि पचास-साठ करोड़ के हिंदीभाषी समाज के बीच हिंदी को सरेआम ''हीन'' बताया गया और विरोध में एक हिंदी आवाज न उठी। उठी तो कुछ हिंदी एंकरों और एक अंग्रेजी एंकर की उठी। एंकर ने राहुल के इस सोच पर तंज किया कि यह मैकाले की मानसिकता है...जापानी, फ्रांसीसी, रूसी, जर्मन, स्पेनी, चीनी आदि सब लोग अपनी भाषाओं पर गर्व करते हैं, लेकिन कांग्रेस का एक बड़ा नेता पचास-साठ करोड़ के हिंदी समाज को ही हीन बताने-जताने पर तुला है। फिर एक दिन यूपी के एक मझोले कांग्रेसी नेता ने अमेठी में लटके-झटके दिखाने जाती हैं कह कर चर्चनीय खबर बनाई। एंकरों ने स्त्री का अपमान करने वाले इस नेता को जम के ठोका। भाजपा वालों ने भी इस नेता की उक्त टिप्पणी को मर्दवादी, यौनवादी और अक्षम्य बताया। इस अभद्र टिप्पणी का संज्ञान राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी लिया और नेताजी को हाजिरी का नोटिस थमा दिया। इसी क्रम में एक दिन कांग्रेस के सर्वोच्च नेता ने अपना चूहा प्रेम दिखाया और फिर कुत्ता प्रेम का परिचय देते हुए अपने जीव विज्ञान के गहन ज्ञान का प्रमाण दिया।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सर्वमान्य नेता...

आजादी के पहले सर्वमान्य आंदोलनकारी नेता महात्मा गांधी थे। कांग्रेस को उन्होंने राजनीतिक दल नहीं, बल्कि आंदोलन माना था। वे अक्सर अपने भाषणों में कहा करते थे कि 'कांग्रेस आजादी के लिए आंदोलन है'। मगर आजाद भारत में किसी भी व्यक्ति से अगर पूछेंगे कि सर्वमान्य नेता कौन, तो बेहिचक दस में से नौ लोग कहेंगे- अटल बिहारी वाजपेयी। सर्वमान्य होना आसान बात नहीं है। सर्वमान्य की मान्यता देश के जन-जन से मिलती है। अब तक की भारतीय राजनीति में जीवन का नब्बे फीसद हिस्सा विपक्ष में रहने के बाद भी सर्वमान्य होना आठवें चमत्कार से कम नहीं है। अटल जी नेता तो जनसंघ और भाजपा के रहे, पर किसी भी दल से उनकी दूरी कभी नहीं रही। यहां तक कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के ज्योति बसु, हीरेन मुखर्जी और सोमनाथ चटर्जी,जो हमारी विचारधारा के घोर विरोधी रहे, वे भी अटल जी को स्नेहिल निगाहों से देखते थे। उनसे कोई नफरत नहीं करता था। प्रधानमंत्री रहते हुए चंद्रशेखर ने कहा था कि 'अटल जी मेरे गुरु हैं'। आज कोई कह सकता है ऐसा! अटल जी को अपनी पार्टी, अपने समकक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर अटूट विश्वास था। यही कारण था कि जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल के दौरान सभी दलों के प्रमुख नेताओं को देश की विभिन्न जेलों में डाल दिया था,तब जेलों में रहे नेताओं ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के कहने पर आजादी की दूसरी लड़ाई के तहत लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता पार्टी का गठन किया। अटल जी ने कहा- 'देश पहले, दल बाद में' और जनसंघ को जनता पार्टी में विलीन कर दिया। अपना चुनाव चिह्न 'दीया' तक बुझा दिया। नेतृत्व के प्रति विश्वास क्या होता है, यह इसी बात से पता लगता है कि तत्कालीन जनसंघ के किसी नेता या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अटल जी, आडवाणी जी से यह नहीं पूछा कि 'आपने जनसंघ का क्यों विलय कर दिया'। नेतृत्व में सामूहिकता के विश्वास का सेतु सदैव मजबूत रहना चाहिए और अटल जी ने कभी दल के भीतर सामूहिकता के सद्भाव और विश्वास को टूटने नहीं दिया। वहीं दूसरी ओर जब जनता पार्टी में दो साल बाद ही दोहरी सदस्यता के नाम पर जनता पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर, मोहन धारिया और मधु लिमये ने जनसंघ के लोगों को कहना शुरू किया कि 'आपको यह स्पष्ट करना होगा कि आप जनता पार्टी के सदस्य हैं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नहीं'। तब अटल जी चूके नहीं। उन्होंने चंद्रशेखर जी से स्पष्ट कहा, 'राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में कोई सदस्यता नहीं होती। संघ हमारी संस्कार की मातृ संस्था है। हम लोगों ने उसमें बचपन बिताया। इससे राजनीति का कोई संबंध नहीं है।' पर तत्कालीन जनता पार्टी के अन्य नेता नहीं माने। अटल जी और आडवाणी जी ने अपने सभी समकक्षी नेताओं से चर्चा की और फिर अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और सहयोगियों के विश्वास पर जनता पार्टी से अपने को 4 अप्रैल, 1980 को अलग कर लिया। अटल जी और आडवाणी जी को पूरा विश्वास था कि ह्यहमने भले जनसंघ का विलय कर दिया और अपना चुनाव चिह्न बुझा दिया, लेकिन देश में शून्य से शिखर पर ले जाने का सामर्थ्य हमारे ही कार्यकर्ताओं में है।

श्री शांतिसागर स्कूल के बालक बालिकाओं को शिक्षा के साथ दिया धार्मिक प्रशिक्षण

राष्ट्र गौरव के समक्ष दिखाई बच्चों ने प्रतिभा, की पूजा अर्चना

संस्कारों की बात कुल परम्परा से आती है : आचार्य वर्धमान सागर

निवाई. शाबाश इंडिया। सोमवार को श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में राष्ट्रीय संत गौरव आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं भारत गौरव आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में श्री शांतिसागर स्कूल का अवलोकन करके सैकडों नन्हे मुन्ने बालकों को पूजन प्रशिक्षण दिया जिसमें आचार्य श्री ने सभी बालक बालिकाओं को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि जैन मंदिर में आचार्य श्री के प्रवास के दौरान जैन समाज के सुशील जैन, नीरा जैन आरामशीन वाले एवं सुनील सर्राफ के मार्ग निर्देशन मे सैकडों बच्चों को पूजन प्रशिक्षण दिया गया । जिसमें सोमवार को सुबह सभी बालक बालिकाओं ने आचार्य वर्धमान सागर महाराज की भक्ति भाव एवं अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। जौंला ने बताया कि समाज के बच्चों को श्री शांतिसागर स्कूल के सभी स्टाफ एवं आयोजक ने अच्छी शिक्षा के साथ साथ धार्मिक संस्कार भी दिये गए। इस दौरान आचार्य सन्त एवं आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने स्कूल का भ्रमण कर अवलोकन किया जहाँ सभी बच्चों ने आचार्य श्री को वन्दन नमोस्तु करके अगुवाई की। इस अवसर पर आचार्य संध एवं विज्ञाश्री माताजी ने बच्चों को भरपूर आशीर्वाद दिया एवं बच्चों को आचार्य संध के आशीर्वाद से समाज के कर कमलो द्वारा बच्चों को गिफ्ट स्वरूप पुरस्कार दिया गया। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम के पश्चात इतिहास में पहली बार 39 चर्तुविंध संतो के अन्तर्गत संध का पड़गाहन कार्यक्रम हुआ जिसमें मंगल प्रवेश के पश्चात राष्ट्रीय संत गौरव आचार्य वर्धमान सागर महाराज को समाजसेवी गोपाल लाल, शंभु कुमार जैन कठमाणा एवं रामपाल ओमप्रकाश जैन चंवरिया ने पड़गाहन करवाया एवं उनको आहार चर्या करवाने का सौभाग्य मिला। इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि संस्कारों की बात कुल परम्परा से आती है। संस्कारों के माध्यम से अपने मूल्य में अनन्तगुणी वृद्धि कर लेते हैं संस्कारों की असीमितता जहाँ सामाजिक और नैतिक क्षेत्र में व्याप्त है वहाँ पूर्ववाचार्रयो ने भी इस पर अपनी लेखनी चलाकर आध्यात्मिक क्षेत्र में तथा स्वोत्थान के क्षेत्र में भी इसकी गुण गरिमा को विस्तृत कर दिया है।उन्होंने कहा कि जो अपने जीवन को सद् संस्कार रुपी सांचे में ढाल लेता है उसकी कीर्ति विश्व वसुंधरा पर लहराने लगती है। इस अवसर पर जितेन्द्र चंवरिया, शंभु कठमाणा ,सुशील गिन्दोडी, पवन बोहरा, सुशील जैन , महावीर प्रसाद पराणा, विष्णु बोहरा, अशोक कटारिया, नेमीचंद सिरस, गोपाल कठमाणा, महेन्द्र जैन, हेमंत चंवरिया, राजेन्द्र बगड़ी, बंटी झांझरी, साईबर एक्सपर्ट आदीश गंगवाल, विमल सोगानी, विनोद बनस्थली, प्रेमचंद गिन्दोडी, मुकेश जैन, हुकमचंद, पारसमल जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे।

ओंकार है स्वस्थ जीवन का आधार: मंत्र महर्षि योग भूषण

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

धर्मयोग फाउंडेशन के तत्वावधान में सुखद जीवन के स्रोत पर एक अत्यंत उपयोगी कार्यशाला का आयोजन परम श्रद्धेय, ध्यान प्रज्ञ, मंत्र महर्षि, धर्मयोगी संत (डॉ.) श्री योग भूषण जी महाराज की प्रभावशाली प्रेरणा व मंगल सान्निध्य में दिनांक 25 दिसम्बर 2022 को मुक्तधारा सभागार, गोल मार्केट (दिल्ली) में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ महामंत्र णमोकार के उच्चारण से हुआ। ब्र. योगांशी दीदी ने पूज्य श्री के जीवन के विभिन्न आयामों से उपस्थित भक्तों को अवगत कराया । अपनी ओजस्वी वाणी से सुखद जीवन के रहस्य को उद्घाटित करते हुए मंत्र महर्षि (डॉ.) योग भूषण महाराज ने कहा कि हमारा शरीर पांच रंगों को मिलाकर बना है. प्रत्येक रंग शरीर के प्रत्येक भाग को परिलक्षित करते हैं। शरीर में जिस रंग की मात्रा की कमी होने लगती है, उसके अनुरूप शरीर में वैसे ही रोग उत्पन्न होने लगते हैं। स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है। जैसे जीवन में कुछ पाने के लिए कुछ छोड़ना पड़ता है, कुछ-कुछ पाने के लिए कुछ-कुछ छोड़ना पड़ता है, बहुत कुछ पाने के लिए बहुत कुछ छोड़ना पड़ता है, ठीक उसी प्रकार जीवन में सब कुछ पाने के लिए सब कुछ छोड़ना पड़ता है। गुरुदेव ने आगे कहा कि महामंत्र णमोकार के पांच पद पांच रंगों के प्रतीक हैं। प्रथम पद ''अरिहंत'' सफेद रंग का सूचक है, द्वितीय पद 'सिद्ध' लाल रंग, तृतीय पद 'आचार्य' पीला रंग, चतुर्थ पद 'उपाध्याय' हरा रंग तथा पंचम पद 'साधु' नीला रंग दर्शाता है। शरीर में जिस रंग का अभाव है, उसी रंग के अनुसार उस पद के मंत्र की साधना करने सेचमत्कारिक नतीजे प्राप्त होते हैं। यह कोई नया प्रयोग नहीं है, अपितु मंत्र विज्ञान की पूर्ण व्याख्या पूवार्चार्यों ने जिनागम में वर्णित की है। शरीर में 107 मर्म स्थान होते हैं और 1 मन - इस प्रकार से हम मंत्र साधना के माध्यम से अपने शरीर में 108 स्थानों का संतुलन बनाए रखते हैं। महामंत्र णमोकार के प्रत्येक पद के लिए एक एक बीजाक्षर है जिसके ध्यान से उर्जा शक्ति का संचार होता है। मन में उत्पन्न नकारात्मक प्रभाव को तरंगों के माध्यम से बाहर किया जा सकता है। इसमें किसी धर्म की बात नहीं है, यह पूरा विज्ञान हैं जो प्राचीन काल से हमें उपलब्ध है । ओंकार ही सुखद जीवन का एकमात्र ऐसा स्रोत है जिसके द्वारा आत्मिक शांति तो मिलती ही है परंतु नवचेतना का संचार किया जाता है। ओंकार की साधना से केवल मुक्ति ही नहीं अपितु सांसारिक सुखों की पूर्ति भी होती है। सबसे खुशहाल जीवन का परम स्रोत यही प्रणव दिव्य ध्वनि है, जिसके बारे में सभी धार्मिक और आध्यात्मिक मान्यताओं में बताया गया है। नासा के वैज्ञानिक भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि सूर्य के अंदर से आने वाली आवाज ओंकार स्वरूप ही है । अतः प्रतिदिन प्रातः काल इस दिव्य ध्वनि का अभ्यास करें और अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि हासिल करें।

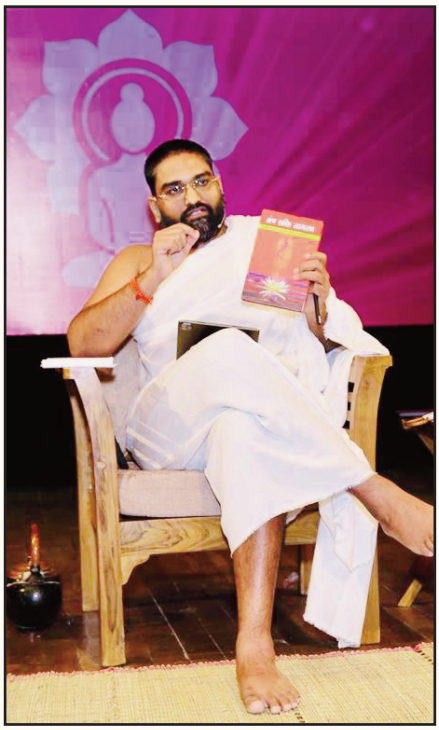

कार्यशाला के अंत में गुरुदेव ने एक गुरुमंत्र प्रदान कर सभी को अभीभूत किया. चलते, फिरते, उठते, बैठते प्रत्येक स्थिति में श्वास के अंदर बाहर होते हुए सोऽहम का अभ्यास करें। देशभर से पधारे धर्मयोगी सदस्यों ने मंत्र साधना के माध्यम से जीवन में आए बदलावों को सभी से साझा किया। गुरुवर ने उपस्थित जनसमुदाय को मंत्र हीलिंग देकर सुखद जीवन की मंगल कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यशाला का समापन धर्मयोग गीत से हुआ। - समीर जैन (दिल्ली)

आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी मुनिराज संसघ का 13वां पदारोहण दिवस भक्ति भाव से मनाया

विभिन्न मंदिरों के पदाधिकारियों ने अष्ट द्रव्य से पूजन किया और विनयांजलि दी। जिन दर्शन जिनवाणी स्वाध्याय से परिणामों की निर्मलता बनाए रखेः सुनीलसागर जी

सभी जैन धर्मावलम्बी श्रावक धर्म का पालन करें: सुनीलसागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी मुनिराज के आचार्य श्री 108 आदिसागरजी मुनिराज की परम्परा के चतुर्थ पटठाधीश पद पर पदारोहण का 13वां दिवस जनकपुरी जैन मन्दिर में अत्यंत भक्ति भाव से मनाया गया। जनकपुरी जैन मन्दिर के अध्यक्ष पदम बिलाला ने बताया कि धर्म सभा का आरम्भ किरण जैन के मंगलाचरण से हुआ। उसके बाद अंकलीश्वर परम्परा के आदिसागरजी मुनिराज एवं उनके महावीरकीर्ति जी, विमलसागरजी और सन्मतिसागर जी मुनिराज के चित्र अनावरण से हुआ। तत्पश्चात दीप प्रज्जवलन हुआ। यह सौभाग्य अजय चूडीवाल पारस जैन और महेश चांदवाड को प्राप्त हुआ। आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन भी नर्बदा देवी अजय चुडीवाल परिवार कलकत्ता वालो ने किया। प्रबन्ध समिति के मंत्री देवेन्द्र कासलीवाल एवं सयुक्त मंत्री सुनील जैन ने बताया कि आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज के पदारोहण दिवस के अवसर पर आयोजित विशेष पूजा में जनकपुरी युवा मंच ने स्थापना, महिला मण्डल ने जल, उसके पश्चात विभिन्न जैन मन्दिरों, महेश नगर मधुबन जैन मन्दिर, दुगार्पुरा जैन मन्दिर सहित आसपास के मन्दिरों के पदाधिकारियों ने चन्दन, अक्षत, पुष्प, नैवैद्य, दीप, धूप, फल से पूजा अर्चना कीं। समारोह के मुख्य अतिथि उपमहानिरीक्षक पुलिस अनिल टॉक सहित अरविन्द चुडीवाल, ममता सौगानी ने अर्घ्य अर्पित किए। महाअर्घ्य प्रबन्ध समिति सहित सम्पूर्ण समाज ने चढ़ाए। उसके बाद 13 थालों से आचार्यश्री की आरती की गयी। पदारोहण दिवस के मुख्य अतिथि उपमहानिरीक्षक पुलिस अनिलटॉक ने आचार्यश्री को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद लिया। धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन को सफल बनाने के सूत्र जानने के लिए आचार्यश्री के प्रवचन अत्यधिक महत्वपूर्ण है जो अन्धकार को मिटाकर जीवन ज्योति प्रदान करते है। धर्म सभा का संचालन पंडित शिखर चंद जैन ने किया।

जिन दर्शन जिनवाणी स्वाध्याय से परिणामों की निर्मलता बनाए रखें : सुनील सागर जी

राकेश जैन ने बताया कि इस अवसर पर आचार्यश्री ने प्रवचन करते हुए कहा कि जीवन में सफलता के लिए, आत्मशुध्दि के लिए गुरू का या मुखिया का या तेजस्वी पुरूष का होना अत्यंत आवश्यक है। हमारे जीवन को रास्ता दिखाने में, अंकुश रखने में, अनुशासन बनाए रखने में, अंधकार दूर करने में गुरू की भूमिका होती है। तभी हम उन्नति कर सकते है। मुनिश्री ने कहा कि जैन धर्म वीतरागमयी विज्ञान है। जिनवाणी और जिन दर्शन से श्रावक अपना निर्मल स्वभाव बनाए रखे। जिस तरह एक गुलाब का फूल अपनी सुगन्ध से सम्पूर्ण वातावरण को महका देता है उसी प्रकार जैन श्रावक समाज में परिणामों की निर्मलता को बनाए रखकर अपना धर्म निभाए। पदम बिलाला ने बताया कि दोपहर में शंका समाधान और सायंकाल भक्तामर दीप अर्चना की गयी।

गुणसागर आराधना अतिशय क्षेत्र गुणस्थली चकवाड़ा में

मुनिवर्य 108 श्री गुणसागर जी मुनिराज का 12 वां स्मृति दिवस 26 दिसम्बर 2022 को जोर-शोर से मनाया

फागी. शाबाश इंडिया

धर्म परायण नगरी चकवाड़ा में गुणसागर आराधना अतिशय क्षेत्र गुणस्थली पर आर्यिका105 श्रुतमति माताजी, सुबोध मति माताजी के पावन सानिध्य में समाधिस्थ मुनिवर्य 108 गुणसागर जी मुनिराज का 12 वां स्मृति दिवस 26 दिसम्बर 2022 को जोर सोर से मनाया गया, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए बताया कि कार्यक्रम में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, बाद श्री जी की अष्टद्रव्यों से पूजा के बाद शांतिनाथ महामंडल विधान की पूजा

की गई, आर्यिका श्री के पावन सानिध्य में पूजा में 101 पूज्यार्थियों द्वारा 128 अर्घ्य चढ़ा कर धर्म लाभ प्राप्त किया, उक्त कार्यक्रम पंडित सुरेश कुमार जैन निवाई के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सूरजमल, विमल कुमार पापल्या परिवार मदनगंज किशनगढ़ निवासी ने झंडारोहण करके कार्यक्रम की शुरूआत की, चित्र अनावरण पदमचंद- राजेंद्र कुमार जैन चकवाड़ा निवासी ने किया, दीप प्रज्वलन ललिता देवी, अरुणकुमार , राजकुमार, छाबड़ा परिवार मदनगंज किशनगढ़ ने किया, कार्यक्रम में स्वागत सम्मान समारोह के बाद क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक जैन अनोपड़ा ने क्षेत्र की बहु आयामी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उद्बोधन दिया, कार्यक्रम में टोंक ,मालपुरा, निवाई, भीलवाड़ा, मुरलीपुरा, चकवाडा, फागी, दूदू,चौरु,तथा माधोराजपुरा जैन समाज के श्रावकों द्वारा गुणसागर जी महाराज की सामूहिक रूप से पूजन की गई । बाद में विनयांजलि,पाद-प्रक्षालन, शास्त्र भेंट के बाद पूज्य माताजी का मंगलमय उद्बोधन हुआ। कार्यक्रम के समापन पर शांतिनाथ भगवान का पंचामृत अभिषेक किया गया।

वित्त आयोग के अध्यक्ष से अल्पसंख्यको की मांगों को वार्षिक बजट में शमिल कराने की मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान समग्र जैन युवा परिषद के संरक्षक अशोक बांठिया के नेतृत्व मे एक प्रतिनिधि मण्डल ने अल्पसंख्यक वर्ग से जुड़े प्रस्तावों को वार्षिक बजट मे शामिल करने / करवाने के लिए राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा करने के बाद 13 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर अध्यक्ष जिनेन्द्र जैन ने बताया कि अल्पसंख्यक वर्ग के जैन समुदाय के समाज समाजश्रेष्ठियों एवं परम संरक्षकों तथा पदाधिकारियों की सहमति से वार्षिक बजट वर्ष 2023-24 मे शामिल करवाने वाले प्रमुख प्रस्ताव निम्न है :-

1. प्राकृत भाषा के शिक्षण के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराते हुए प्रत्येक राज्य मे प्राकृत अकादमी की स्थापना की जाए तथा प्रत्येक राज्य मे अस्सिस्टेंड प्रोफेसर और व्याख्याता भर्ती परीक्षा मे प्राकृत भाषा के पद सृजित किए जाये ।
2. जैन समुदाय के तीर्थस्थलों एवं मन्दिरों की सुरक्षा के लिए विशेष अधिनियम का निर्माण किया जाए।
3. शांति और अहिंसा विभाग मे अल्पसंख्यक वर्ग के जैन समुदाय के सर्वाधिक प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए।
4. एनएमडीएफसी और आरएमएफडीसीसी द्वारा स्वरोजगार एवं कार्यक्षमता उन्नयन हेतु व्यावसायिक और शैक्षणिक तथा लघु ऋण (समूह ऋण) योजनाओं में जैन समुदाय का कोटा निर्धारित किया जाए एवं आवेदन के लिए पारिवारिक वार्षिक आय में वृद्धि करते हुये आवेदन की प्रक्रिया का सरल बनाया जाए और व्यावसायिक गतिविधियों तथा शिक्षा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित इकाई लागत मे वृद्धि की जाए।
5. सभी छात्रवृति आवेदन के लिए पारिवारिक वार्षिक आय में वृद्धि की जाये तथा जैन समुदाय का कोटा निर्धारित करते हुए आवेदन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए और जिनका चयन राष्ट्रीय स्तर पर नही हो पाता है उन्हे राज्य सरकार अपने स्तर पर छात्रवृति प्रदान करे।
6. अल्पसंख्यक मामलात विभाग से सम्बन्धित योजनाओं के क्रियान्वयन से सम्बन्धित विभागों के मध्य समन्वय और योजनाओं की बेहतर मोनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर एक विशेष प्रकोष्ठ का गठन किया जाए ।

आवाज दो हम एक हैं नारे के साथ सीकरी जैन समाज ने निकाला पैदल मार्च

सीकरी (भरतपुर). शाबाश इंडिया

सीकरी जैन समाज ने सोमवार सुबह अपने सबसे बड़े तीर्थ स्थल सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल बनाने के विरोध में पैदल मार्च निकाला। समाज के मीडिया प्रभारी पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि पैदल मार्च जैन मंदिर से प्रारम्भ हो मैन बाजार होते हुए एसडीएम मुख्यालय पहुंचा जहां सभी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम एसडीएम सीकरी को ज्ञापन दिया। पैदल मार्च में समाज के बड़ी संख्या में बुजुर्ग, पुरूष, महिला व बच्चों ने हाथों में तख्तियां व धर्म ध्वजा लेकर भारत सरकार द्वारा जारी जारी अधिसूचना का विरोध किया व सम्मेद शिखर हमारा है प्राणों से भी प्यारा है, भारत सरकार होश में आओ, झारखंड सरकार होश में आओ, आवाज दो हम एक हैं,कम हैं कमजोर नही के नारों से आक्रोश व्यक्त किया। पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित सम्मेद शिखरजी प्राचीन काल से ही जैन धर्म का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र रहा है। जैन धर्म के कुल 24 तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकरों और करोड़ा-करोड़ी मुनियों की निर्वाण स्थली होने के कारण सम्मेद शिखरजी का कण-कण

जैन समाज के लिये पूजनीय एवं वंदनीय है। साल के बारहों महीनें विश्व भर से लाखों जैन तीर्थयात्री बेहद श्रद्धाभाव के साथ व्रत धारण कर नंगे पैर और शुद्ध सूती वस्त्रों में शरीर को गला देने वाली ठंड या फिर झुलसा देने वाली गर्मी में झारखंड की सबसे उंची पहाड़ी की 27 किलोमीटर की इस बेहद कठिन चढ़ाई वाले पहाड़ पर वंदना करने जाते है। जैन तीर्थयात्री पारसनाथ पहाड़ की पवित्रता को अक्षुण्ण बनाए रखना अपना सर्वोच्च कर्तव्य समझते है। जैन समाज ने पैदल मार्च व ज्ञापन देते हुए सरकार से मांग की कि सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल ना बनाकर पवित्र जैन तीर्थस्थल घोषित किया जाए। पर्वत पर मांस, मदिरा बिक्री व सेवन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया जाए। पर्वत के द्वार पर अर्धसैनिक बल तैनात किए जाए जिससे असमाजिक तत्व ऊपर जाकर उत्पाद ना मचाएं। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रावक श्राविका व बच्चे मौजूद रहे।

प्रेषक :- संजय जैन बड़जात्या कामां

श्री अखिल जी-पारुल जी जैन छाबड़ा

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(27 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान जार का 34 वां स्थापना दिवस समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान ''जार'' के 34 वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री के विशिष्ट सलाहाकार फारुख अफरीदी ने कहा की पत्रकारों के लिए यदि सबसे ज्यादा काम किया है तो वर्तमान राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने। आज जार के 34 वें स्थापना दिवस पर बोलते हुए फारुख अफरीदी ने पत्रकारों के संबंध में होने वाली किसी भी समस्या के समाधान के लिए खुद को हमेशा तैयार बताया। **जार ने चैंबर ऑफ कॉमर्स में भैरो सिंह शेखावत सभागार में बड़े हर्ष उल्लास के साथ समारोह मनाया।** समारोह में जयपुर हेरिटेज नगर निगम की महापोर मुनेश गुर्जर पत्रकारों के संबंध में कुछ सुझाव दिए और यथासंभव पत्रकारों के लिए सुविधाए देने की बात भी कहीं । समारोह में लगभग 40 पत्रकारों का सम्मान किया जिनमें 50 वर्ष से ज्यादा समय से चलने वाले समाचार पत्र और 70 की उम्र से ज्यादा पत्रकारों को फारुख अफरीदी ने सम्मानित किया इस अवसर पर बोलते हुए जार के अध्यक्ष हरि वल्लभ मेघवाल ने पत्रकारों के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण सुझाव पत्रकारों के समक्ष कार्यक्रम में रखें साथ ही प्रदेश महासचिव दीपक शर्मा ने आने वाले पत्रकारों और सम्माननीय मंच का धन्यवाद किया मंच द्वारा नई कार्यकारणीयो का भी सम्मान किया गया ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जब हम सुबह उठते हैं तो चेहरे और आंखों पर सूजन क्यों आती है?

इसका क्या कारण हो सकता है और इसका इलाज क्या है?

आंखों पर और चेहरे पर सूजन आने के बहुत से कारण हो सकते हैं जिसमें से कुछ कारण इस प्रकार हैं...

देर रात तक जागने के बाद या फिर नींद पूरी न होने पर जब सुबह उठकर आईने में चेहरा देखते हैं तो कई बार चेहरा काफी पफी यानी सूजा हुआ-सा दिखाई देता है। चेहरे पर आई यह सूजन वॉटर रिटेन्शन(पानी इक्ट्ठा होने) की वजह से हो सकती है। इस स्थिति में शरीर में अतिरिक्त पानी जमा होने लगता है। चेहरे पर सूजन आमतौर पर कुछ दवाओं के रिएक्शन, संक्रमण, रोग, मौसमी एलर्जी, जीवनशैली और अन्य कारणों से हो सकती है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

बचाव के तरीके

चेहरे की सूजन को रोकना हमेशा संभव नहीं हो सकता है, लेकिन कुछ उपाय मददगार हो सकते हैं-

★ अधिक सोडियम युक्त आहार जैसे जंक फूड के सेवन से विशेष रूप से देर शाम या रात में बचें।
★ फाइबर युक्त आहार जैसे अलसी, बादाम, अनार, सूखा अंजीर, गेहूं का चोकर, बाजरा, अंकुरित अनाज आदि का सेवन करें।
★ रिफाइंड काबोर्हाइड्रेट जैसे मैदा, पास्ता, सफेद शक्कर, डोनट, पेस्ट्री, केक, मिठाइयां, सोडा, बिस्किट, व्हाइट ब्रेड आदि से परहेज करें।
★ देर रात खाने से बचें, खाने के तुरंत बाद न सोएं।
★ कोशिश करें कि पीठ के बल सोएं।
★ दिन और रात में हाइड्रेट रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।
★ अल्कोहॉलिक पदार्थों से परहेज करें।
★ एलर्जी रिएक्शन के लिए नए स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का पैच टेस्ट करें।

अगर इन उपायों के बाद भी सूजन न जाए तो तुरंत त्वचा रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें।

संयुक्त अभिभावक संघ की मांग ....

बढ़ते कोरोना के प्रकोप को देखते हुए स्कूलों में होने वाली प्रार्थना सभा को तत्काल करें बंद

स्कूलों में बच्चों की सेफ्टी के लिए ''मास्क'' भी करें अनिवार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। देशभर में एक बार फिर कोरोना के खतरे की घंटी बजाना प्रारंभ हो गई है जिसको लेकर केंद्र सरकार हो या राज्य की सरकार सभी सतर्कता बरतने के लिए गाइड लाइन बना रहे है और जनता से भी अपील कर रहे है। किंतु कोरोना जहां सबसे बड़ी दस्तक दे सकता है वहां ''स्कूल'' है जहां ना केंद्र सरकार ध्यान दे रही है ना राज्य की सरकारें ध्यान दे रही है। जिसको लेकर संयुक्त अभिभावक संघ ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मांग की है की नादान बच्चों को कोरोना से बचाने के लिए भी केंद्र और राज्य सरकार गाइड लाइन जारी करें, जिसमे स्कूलों होने वाली प्रार्थना सभाओं को तत्काल प्रभाव से बंद करे और प्रत्येक स्कूलों में ''मास्क'' को अनिवार्य किया जाए। प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा की कोरोना के पिछले अनुभवों पर अगर ध्यान आकर्षित किया जाए तो, कोरोना ने बहुत तबाही मचाई थी, जिसमे अनेकों घर उजड़ गए थे, करोड़ों की संख्या में लोग बेसहारा हो गए थे। हजारों बच्चे अनाथ हो गए थे। ऐसे में यह समय सतर्कता बरतते हुए मुख्य गाइड लाइनों को तैयार कर इसे सख्ती से पालन करवाने का है, जिसमे प्रमुख रूप से सरकारों को बच्चों पर अपना ध्यान आकर्षित करना चाहिए। स्कूल एक मात्र ऐसा स्थल है जहां बड़ी संख्या में बच्चे प्रार्थना सभा में एकत्रित रहते है जिससे खतरा बढ़ने की अधिक संभावनाएं है, इसलिए सरकार को स्कूलों में प्रार्थना सभा पर फिलहाल कुछ दिनों के लिए पूरी तरह से रोक लगा देनी चाहिए और साथ ही प्रत्येक स्कूलों में 'मास्क' को भी अनिवार्यता के साथ लागू करना चाहिए। जिससे बच्चों की सेफ्टी भी हो सके और उनकी पढ़ाई भी बंधित ना हो सके।

> प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा की कोरोना के पिछले अनुभवों पर अगर ध्यान आकर्षित किया जाए तो, कोरोना ने बहुत तबाही मचाई थी...